COLLEGE NAME-SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDU
CLASS - B. Ed (1st Year)
PAPER - C-5
UNIT - 02
TOPIC - KNOWLEGE, MEANNG, ETC
DATE - 25-06-2020

* विद्यालयी विषय ज्ञान, * अर्थ * परिभाषा *
* ज्ञान का महत्व *

परिचय:- विद्यालयी शिक्षा में ज्ञान का बहुत महत्व है। ज्ञान के द्वारा छात्रों को विभिन्न प्रकार के विषयों के विषय में उचित बातों का पता चलता है। ज्ञान के कई प्रकार होते है। जैसे:-

1. प्रयोगात्मक ज्ञान
2. सामुदायिक ज्ञान
3. अन्तर्ज्ञानात्मक ज्ञान
4. मौन ज्ञान

*** ज्ञान का अर्थ:-**

ज्ञान क्या है? ज्ञान का क्या अर्थ है? जानना क्या होता है? इस का तात्पर्य है कि को जानते हैं। जानना शब्द का उपयोग तीन अर्थो में होता है।

1. परिचय
2. कार्य करने की योग्यता
3. प्रतिज्ञप्ति

P.T.O

Scanned with CamScanner

1. **परिचय** :- जब हम किसी व्यक्ति को जानते है, का अर्थ कि उस व्यक्ति के साथ परिचित है। परिचित होने से हम उस व्यक्ति के बारे कई तरह की जानकारी रखते है लेकिन परिचय से पाई गई जानकारीयाँ वो सूचनाएं पर्याप्त नहीं होती। ~~क्योंकि~~

2. **कार्य करने की योग्यता** :- अधिकतर देखने मे आता है कि जानने शब्द का उपयोग कार्य करने व सीखने के अर्थों में होता है, जैसे वह तैरना जानता है इसका मतलब यह है कि उसने तैरना सीखा है, उसमे तैरने की योग्यता है। योग्यता से अभिप्राय काम को करने में कुशल है।

3. **प्रतिज्ञप्ति** :- यह ऐसा अर्थ है जो दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में अतिमहत्वपूर्ण है। जब हम यह कहते है कि हम जानते है तो इसका अर्थ यह होता है कि हम किसी बात को जानते हैं। बात का यहाँ पर अर्थ एक प्रतिज्ञप्ति से होता है,
जैसे "हम जानते है कि हम शिमला में घूम रहे है।"
"हमारी मातृभाषा हिन्दी है"।

अतः कह सकते है कि :-
"ज्ञान किसी भी विषय को पूर्ण रूप से समझना, उसका पूरा अनुभव करना तथा समय आने पर उसका उचित उपयोग करना है। ज्ञान एक विश्वास है जिसे सत्य के रूप मे स्वीकार किया गया है। ज्ञान बहुत महंगा होता है जिसकी चोरी कभी नहीं हो सकती

* **परिभाषा** :- प्लेटो के अनुसार :-
"विचारों की दैवीय व्यवस्था और आत्मा-परमात्मा के स्वरूप को जानना ही सच्चा ज्ञान है।"

→ वेबस्टर के अनुसार :- ज्ञान वह है जो ज्ञात है और जो ज्ञात होने के बाद संचित रहता है या वह जानकारी है जो वास्तविक अनुभव द्वारा प्राप्त होती है।

Scanned with CamScanner

* **ज्ञान का महत्व** :→ मानव जीवन के लिए ज्ञान का बहुत महत्व है। आधुनिक युग में ज्ञान का विस्फोट हो रहा है, इसलिए ज्ञान का महत्व और भी बढ़ गया है। वैसे भी ज्ञान को मनुष्य की तीसरी आँख कहा गया है।

"Knowledge is the third eye of the man."

सुकरात ने ठीक कहा है "जिसके पास सच्चा ज्ञान है, वह सद्गुणी होने के अतिरिक्त कुछ भी नहीं हो सकता।"

"One who had the true knowledge could not be other than virtous."

ज्ञान के महत्व को देखते हुए यह कहना उचित ही होगा कि प्राचीन युग की तरह ज्ञान शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य भले न हो और आज के युग में सर्वोच्च माना जाए लेकिन ज्ञान को शिक्षा को शिक्षा के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से अवश्य ही एक महत्वपूर्ण उद्देश्य माना जाना चाहिए क्योंकि मानव कल्याण का ज्ञान साधन है।

→ **ज्ञान** :- ज्ञान के अंतर्गत तीन मुख्य बातों पर विचार किया जाता है, और ये तीनों परस्परिक रूप से एक-दूसरे से संबंधित हैं। ज्ञान के मुख्य तीन रूप हैं।

जैसे- ज्ञान, 'सूचना के रूप में, ज्ञान जानना के रूप में, और ज्ञान बुद्धिमत्ता के रूप में।

→ **सूचना** :- सूचना चाहे व्यक्ति से संबंधित, वस्तु से संबंधित, स्थान से, घटना से, पर्यावरण से या मानव जीवन के किसी के किसी अन्य पक्ष से संबंधित हो। इसको निम्नकोटी के श्रेणी में लेते हैं, क्योंकि सूचनाओं को इकट्ठा करना और फिर दुसरों को सूचित करना, यह कार्य अशिक्षित व्यक्ति के लिए भी संभव है। हम देखते हैं की कि रेलवे प्लेटफार्म के कुली के पास हर ट्रेन के आने-जाने की सूचना होती है,

Scanned with CamScanner

लेकिन वह शिक्षित नहीं है लेकिन फिर भी वह अपने काम में दक्ष है। दूसरी बात सूचना के बारे में इसका संबंध केवल तथ्यों से है जो आँकड़ा बनाते हैं। यह सकारात्मक गुणात्मक दोनों तरह का सम्भव है।

⇒ **जानना** :- यह ज्ञान का वह रूप है जिसके अंतर्गत हम स्थूल और सूक्ष्म की जानकारी प्राप्त करते हुए तथ्यों का अर्थपूर्ण ढांचा खड़ा करते हैं। यह वास्तविकता और सच्चाई को दर्शाता है। भारतीय दृष्टिकोण के अनुसार इसको ऐसी विद्या कहा गया है कि सच्चाई से संबंधित तथ्य और मानसिक विकास सम्भव हो जैसे :- मैं उड़ नहीं सकता, यह सच्चाई है। इस तरह से अन्य बातों की सोच करना और यह जानना कि यह सम्भव है या असम्भव है इस प्रकार की प्रक्रिया मानसिक परिवर्तन और मानसिक वृद्धि होगी। यह मध्यम श्रेणी का ज्ञान है।

⇒ **बुद्धिमत्ता** :- मनुष्य में बुद्धिमत्ता ज्ञान वृद्धि व मानसिक और बौद्धिक विकास के साथ आती है यह सूचना और जानने पर आधारित होते हुए भी बुद्धिमत्ता मानवीय जीवन के अनुभव की चोटी है। मनुष्य में जीवन के सार्थक अनुभवों के माध्यम से बुद्धिमत्ता आती है अर्थात् मनुष्य बुद्धिमान होता है। बुद्धिमत्ता का संबंध मनुष्य के वास्तविक अनुभवों से है जो जीवन और संसार से संबंधित है।

अतः उपरोक्त विवेचनाओं से स्पष्ट है की ज्ञान मनुष्य को अंधेकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। भारतीय दर्शन के अनुसार ज्ञान मानव जीवन का सार है। ज्ञान को मस्तिष्क की खुराक कहा गया है। ज्ञान से मनुष्य का मानसिक विकास होता है। ज्ञान मानव जाती के प्रगति का मुख्य साधन है। बिना ज्ञान के प्रगति करना संभव नहीं है।

Scanned with CamScanner